कुड़माली शब्दकुधि

(कुड़माली से हिन्दी)



" समटुआ " - पी० पी० केसरिआर
(एम० ए० कुड़मालि)

छप्पइया - करूणामयी केसरिआर
(एम० ए० कुड़माली)

ल[illegible] संस्कृति आखड़ा,
बड़ा जमुआ, धनबाद, 826004
झारखण्ड

" क "

कँका - गूँगा
कँइच - कमर में खोंसा हुआ कपड़ा का अंश
करम - काम, कर्म
कचटा - मसला हुआ, मसलना
कचड़ा - महुआ फल
केंचा - केंचुवा
करट - करवट
करिल - बाँस का अंकुर
कसुर - मन का गुस्सा
काईट - तेल का गंदा जमा हुआ ।
काँकई - कंघी
काछड़ा - किसी वस्तु को उठाकर पटकना
काटा - काटना
काटरा - कटारी
काड़ावजर - जोर से धक्का मॉरना
काड़ामाथा - कड़ा वस्तु, मन्द बुद्धि
काँथ - दिवाल
कानगुआ - कान के अन्दर का मैल
कानि - कपड़ा का टुकड़ा
कामइना - एक प्रकार का गाली विशेष
कायर - कापुरूष
कालहा - ठंडा
कदकदा - प्रफुल्लित
किशकिशी - मन में गुस्सा होना
कोँड़ि - ढेंकी (धान कुटने का एक प्राचीन यंत्र, जो लकड़ी का बना होता हैं ।)
कटास - एक जानवर विशेष जो बिल्ली जाति का माना जाता हैं ।
काना साग - एक प्रकार का साग
कुधि - किसी वस्तु का अधिक मात्रा में जमा करना, ढेरी । समष्टि
किरा - शपथ
काँयाँ - कृपण
काड़ानी छाति - छत्ताक विशेष
कसी - अधिक मात्रा में
कुरथी - दाल विशेष
किना - क्रय करना
कदर - यत्न करना, इज्जत करना
कनी-कनय - पेड़ की पतली शाखा

" ख "

खँधा - घोंसला
खड़हा - लँगड़ा
खाँखार - जीभ में जमा मैला
खखरखचा - रूखड़ा
खँदड़ - कोटर
खेंखरा - दुबला-पतला
खाड़रा - नंगा बदन
खपड़ा - खपड़ैल
खापरी - पत्रा विशेष
खरखरी - चालाक
खरखसा - कर्कश
खाँकड़ा - केंकड़ा (बड़ा जाति)
खाँखड़ि - केंकड़ा (छोटा जाति)
खाँची - टोकरी
खपयर - मुड़ि भूँजने का बरतन
खेपटि - निरर्थक
खामचा - मुट्ठी भर
खमाइर - अनाज झाड़ना स्थल
खिजा - तैयार
खेजा - अंश, भाग
खिजला - विरक्ति
खील - हल जोतते समय छुटा हुआ भाग ।
खुखड़ी - मुरगी

" ख "

खुखड़ा - मुरगा

खुजली - खुजली

खुड़ा - चाचा

खुनुस - बहाना

खुपा - पागल

खँपा केश का गोल बना हुआ भाग ।

खेंसा - खोंसना

खेड़हा - खरगोश

खड़िया - एक जनजाति

खोट्ठा - एक मिश्रित भाषा

खाटोया - खटने वाला, काम करनेवाला

खेमटा/खेमटि - लोक नृत्य

खोआड़ - एक विशेष वृक्ष का लकड़ी का जला हुआ भाग ।

खाटाली - मजदूरी

खरन - सुर बाँधना (बाद्रय यंत्र का)

खेदा - हाँकना

खँयछा - आँचल

खड़हा - लँगड़ा

खाइट - खटिया

खेंचरा - तितर-बितर करना

खल - मन में पाप

खरिस - एक विषैला सर्प जिसका फन होता हैं ।

खुँटा - स्तम्भ

खासी - खस्सी (बकरा)

खलास - मुक्ति

खिदखिदी छोटा-छोटा टुकड़ा

***

" ग "

गड़ा - जलाशय

गढ़ा - बनाना

गाँयत - गैंता

गत - सुविधा

गजगजा -

गाईंठ - बाँधना

गड़ान - ढलान जगह

गोंजा - ठूसना

गुँजा - शष्य विशेष

गतर - शरीर

गेंधा - खराब पानी

गमक - गंध

गरया - आदिम पूजा विशेष

गरह - ग्रह

गसा - फल पकेन के पूर्व

गरा - रंग विशेष

गसुआ - भोजन के अभाव में फल का असमय पक जाना ।

गईरा - बड़ा घोड़ा

गहला - भारी वस्तु को घसीटते हुए ले जाना ।

गाभड़ा - असमय गर्भ नष्ट होना ।

गाजाड़ - झाड़ी-झुरमुट

गेंजिया - कमर में बाँध करने रखने वाला पैसे की थैली ।

गादर - पका फल (पकने के पूर्व)

गड्डहा थाल - थाली जिनका गर्त अधिक हो ।

गादाल - भीड़-भाड़ ।

गादुआ (गादे) - अतिरिक्त

गाधरा दूध - गाय, बकरी, भैंस आदि का प्रसव काल के समय से **21** दिन तक का दूध ।

" ग "

गाबदा–घाँटा – उथल–पुथलगावा–गान गाना
गाभा – तालाब का गड्ढा भागगालमारा–
बात करना
गिजढ़ा – हास्य कौतुक
गिदर – छोटा शिशु
गिलटि – गोल मांस पिंड
गुड़िया – मीठा
गुगलि – घंघि
गुटिया – समेटना
गुठरा – छोटा/नाटा
गुता – धक्का मारना
गुमठा – छोटा कद का गठीला शरीर
गुरगुराई – गुस्सा करके चल पड़ना
गुलल – गुलता
गेंड़ा – ग्रन्थि युक्र मुल
गेदेलेसे – जमजमाट
गेंधि – गरम काल में कम जल में मछली
का रोग विशेष
गेरेगेते – किसी काम को करने के लिए
मजबुर करना ।
गतिआ – एक गोत्र का ।
गेलगेलाय – अधिक मात्रा में सीझ जाना
गाहजन – परब विशेष (चैत पर्व)
गिरहा – ग्रन्थि
गुँदुरगुसा – अन्तर्मुखी आदमी
गुष्टि – एक ही वंश का
गियान – ज्ञान
गुनी – झाड़फूक में पारंगत आदमी

" घ "

घड़ना – झाड़ी से किसी क्षेत्र का घेरना
घँसड़ा – घसीटना
घांघरा – एक प्रकार का दाल
घिस्टा – गंदा
घंग – पत्ते का बनाया हुआ खोल जो
वर्षा के दिन में बरसाती का काम
आता हैं ।
घुघि – बाँस की तीली या काशी घास से
बनाया हुआ एक थैला विशेष जो
मछली रखने के काम आता हैं ।
घाड़ – गर्दन
घूईना – केवट
घुघिमान – घुघि आड़ने का जगह
घड़ि – अल्प समय/क्षण भर
घाँटा – पसारना
घानि – तेली जाति का तेल निकालने का
एक विशेष यंत्र
घाघु – चालाक
घिमा – साग विशेष
घुसुर – कबूतर का विशेष जाति ।
घनअ – अधिक मात्रा में
घुरघुइरा – एक प्रकार का कीड़ा
घोर – अधिकता
घाम – पसीना
घार – गृह
घाषाँड़ – घास से युक्त सीन

" च "

चका – छिलका
चखह – तेज धार
चघा – पेड़ पर चढ़ना
चँगा – दो डालियों का मिलन स्थल
चँचरा – पक्षियों का पेट
चटा – बार करना
चड़का – सफेद
चदु – निर्वोध
चंदेल – विराट लोक
चपसा – रसहीन
चभरा – पानी में भिंगोना
चरावाती – करदीपिका (टार्च)

"च"

चाकमादल - सष्टपुष्ट
चाटू - कलछुल
चाँदला - गंजा
चापका - पशु के खुर में विशेष रोग
चामवादुड़ - चमगादड़
चार - मछली पकड़ने का मसाला
चिटा - गोंद/लाय
चिमड़ - कठोर
चिंहिका - चमक उठना
चुका - मिट्टी का भाँड़
चुकि - घुटना का जोड़ स्थल
चुगुल - परनिन्दा
चुगि - छोटा कीप
चुँटि - बिड़ि
चुटिया - छोटा चूहा
चेंका - खट्टा
चुहुक - टनटन
चेंगा - दोनों पैर के बीच का भाग
चेठा - चेतना / तन्दुरूस्ती
चेंथड़ा - गन्दा फआ कपड़ा
चेपा-चेपि - खेदा-खेदि
चालि - बरामदा
चिउड़ा - चिवड़ा।

"छ"

छछरा - लोमी
छतिछना - नष्ट-भ्रस्ट करने वाला
छनका - छोंकना
छलका - उफनकर नीचे गिरना
छातु - सत्तु
छाला - छाला पड़ना
छाभा - मिट्टी का छोटा भाँड़
छामु - निकट
छिछातुर - चुने-विचुने
छेंदा - छिद्र
छिपि - छिछला कटोरी
छँच - चूल्हा में मिट्टी का लेप लगाना
छेछरा - चूरमार
छेंछड़ - निर्लज़
छितरा - तितर-बितर
छोआ पथरा - गोद में बच्चा खेलाने वाला
छौ नृत्य - लोक नृत्य विशेष
छिटका - छींटा पड़ना
छामड़ा - विवाह मंडप
छाउनि - छावनी
छटाक - ¼ पाव
छँड़ा - किशोर बालक
छोछा - धुलना
छोंछतल - अति निकट
छुरूक - अल्प
छिंड़ा - टूटना

"ज"

जबरा – डींग हाँकने वाला
जभी – जल एवं कादो से भरा गड्ढा
जरक – सरस
जलहरी – जलाशय
जावा – करम परब
जाड़ – ठंडा
जालि – कच्चा फल
जिनगानि – जीवन
जुड़िपाड़ि – समवयस्क
जाँता – तेल निकालने का मशीन
जंगटिमाटि – चिटामिट्टी
जोलहा – झारखण्ड का मुस्लिम
जूँठा – अवेशेष खाना
जुमड़ा – अर्द्ध ज्वलन्त लकड़ी
जेनी – स्त्री जेठी – ताई
जेठा – ताऊ
जुड़ा – ठंडा होना
जुड़ा – बैलगाड़ी जोड़ना (हल जोड़ना)
जंक – जोंक , जहत – झमेला
जनार – भुट्टा

" झ "

झकमारि – तावड़तोड़
झँकरा – खपरैल छत से परनी गिरना
झँट – जल्दीबाजी
झड़ा – लगातार वर्षा होना
झाईल – लम्बा
झाईल – जोड़ा (समष्टि), गाड़ी झाईल
झमरा – बेहोश
झुड़ – झाड़ी
झुड़ा – निर्मुल करना
झुमा – झपकी लगना, उँघना
झाँक – लता को लकड़ी द्वारा सहारा देना
झिंटा – सींचना
झिंका – गिनती करने में व्यवहार
झुमुर – लोकनृत्य / नाच / संगीत
झलखला – जोरों की भुख
झानका – दरवाजे पर लगा लकड़ी जो जमीन पर गड़ा हो
झारक – गरमी
झाड़खंड – राज्य का नाम / पार्टी विशेष
झाखारा – पूजा विशेष में बचा प्रसाद
झाँटि – पतला लकड़ी समुह
झनकावात – पशु विशेष का एक रोग
झाँपि – एक प्रकार का टोकरी जिसमें ढक्कन हो
झाँप – कूदना

" ट "

टुँटि – गला
टाँड़ – ऊसर विस्तृत मैदान, दालाल
टिकर – समतल ऊँचा स्थान
टेंटुआस – प्यास
टिरा / टुरा – बौना
टिरटिरा – टलमल, झोल मारना
टुकु – अल्पमात्रा
टुँकि बाँस का बना एक प्रकार का टाकरी
टुँगा – तोड़ना
टुपा – छोटा बाँस का टाकरी
टुएक – अल्प
टुसुक–टुसुक – टपटप
टेका – राकना
टेड़हा – वक्र
टेड़रा / टिंड़रा – मरना
टेड़ही – घमंड
टेना – कपड़ा का टुकड़ा
टाँड़गित – एक विशेष प्रकार की लोकगीत
टुसु – धन लक्ष्मी देवी
टुभी – नाम विशेष
टिलहा – दीमक लगा हुआ मिट्टी का उभरा भाग
टुनकि – मुरगी रोग विशेष
टाँगी – कुल्हाड़ी
टाठ – गोशाला का दरवाजा
टाँग – लटकाकर रखना
टेसुफुल – पलास फूल
टेपर – वक्र
टुअर – अनाथ

" ठ "

ठपा - टीका
ठेरका बैल के गले की घंटी
ठाना – मन में विचार करना
ठसा – भंगुर
ठिठरा – ठिठुरना
ठिन – नदजीक / पास
ठिलि – पीतल का घड़ा
ठेंगा – बाँस की लाठी
ठेर – वज्र
ठेंठी – ताँत का बना साड़ी
ठेंठा – छोटा
ठेरका लकड़ी का हाथ
ठेसा ठोकर

" ठ "

ठुनका – धीरे–धीरे रोना
ठमका – रूक–रूक कर
ठार – संथाली भाषा
ठुठना – लकड़ी का एक टुकड़ा
ठुट्‌मुठु – सिकुड़कर
ठाठर – स्थायी
ठकठकी – आदिम काल का लौह
पत्थर जो घर्षण से आग
निकला हैं ।
ठुँका – गाड़ना
ठाई – जोर से प्रहार करना
ठेप. – निरर्थक
ठेसाठसी – ठेलमठेली
ठुलि – लकड़ी का काग / ढ़क्कन

" ड "

डभा – छोटा जलाशय
डरा – भय पाना
डहर – पथ
डाँगा – समतल ऊसर भूमि
डाँठ – कठोर
ड़ाड़ि – गड्ढा खोदकर पानी
निकालने का स्थान
डाँग – लाठी
डागर – विशाल
डिवरि – ढ़िवरी
डिंगला – कोंहड़ा
डुँगरि – पठार
डँड़गा – लम्बा
डुभा – बड़ा कटोरा
डेरहा – पकने का पूर्व
डालि – बाँस की टोकरी
डँगुआ – अविवाहित लकड़ी
डालधरा – हस्तांतरित करना
डेनका – पंख
डेलि – बाँस का बना अनाज
रखने का पात्र
डेनि – धान काटने के पश्चात
लक्ष्मी देवी ठकुराइन
को घर लाना
डावका – पानी में तैरने की कला
डाँड़नाच – नृत्य विशेष
डवका – गर्म होकर खोलना

" ढ "

ढोल – बाह्य येत्र
ढाक – ''
ढंडर – बड़ा छिद्र
ढनका – इधर–उधर जाना
ढनढन – आश पर घुमना
ढाढस – साहस करना
ढाड़ा – मारना
ढाड़ स्त्री पालतु पशु (बकरी)
ढिपरा – मोटा
ढुआ – विशेष प्रकार का संगीत
ढुसा – सिंग से मारना
ढुसमा –ठाकर खाना
ढेमना – निर्लज
ढेंसना – खोट देना / आराप
ढेंकि – धान कुटने का यत्र
ढेंकशाल – ढेंड़ साँप विशेष कुड़मि
जाति चरित्र ढंड़ साँप के साथ
तुलना करके प्रवाह में ढँड़कहा
जाता है । कुड़मि जातिशाति
सहज सरल किन्तु रेगेगेले
खाडेन पेट भर्ती खान मिल
जाने से काम करते नाराज
निर्जर क्षेत्र छोड़ कर जाना
नहीं चाहता ।

" त "

तॅई – तुम / आप (कुड़मालि में एक ही शब्द व्यवहार में आता है।)
तहर – तुमहारा
तदेर – तुमलोग का
ताक – उपर नीचे रखना
तड़ – अक बक
ताता/तातल – गरम
तातावाहि – जल्दी–जल्दी/छने–दने
तारामचा – उच्चस्थल बैठने का स्थान
तितकि – जलन्त काइी
ताखित –
तरफसानि – एक तरफा विचार
तलबिच – कमवेशी
तुपा – माठी चापा
तखड़ – फुर्ति
तला – बीज राखना
तिल – तील बीज–शरीर पर काला बिन्दु
तेरिमेरि – हाथा पाही
तेरिआन – बलवान /गरूटा तेरिआन
तेल खईर – शोच पालना या मृत्यु के बाद तीन का क्रिया
तमाल – गाछ विशेष
तकलि – सुता पाक देने का काइी
तेढड़ – बदमास
तड़पा – हाहुतास
तितकुठ – तीता
तिनई – तरकारी

" थ "

थका – परिश्रानत
थकित – थकावट
थथना – ठोंठ
थडरा – पिछल कर गिरना
थमथम – चुप–चाप
थिथा – आसवन
थसड़ा – गुस्सा में पटकना
थापा – (गॅठे थापा) थापना
थुप–थुप – एकप–एकप
थिरा – स्थिर
थुतड़ा – अतिकाहित
थुलका – मोटा
थथर – निर्लज (ढीठ)
थाना – पुलिस का
थासा – साना/मिला
थुपकि – (खेल विशेष) तलन मिलना

" द "

दाँवआँ – बैल को हल में हालो खाड़ि
दा – हँसुआ (अनाज काटने का यंत्र)
दड़रा – घर्षण करना
दुबका – छिपाना
दापट – प्रभाव
दवड़ा – भोज करना
दमे/दमतक – बेसी
दामागुड़गुड़ा – भुत का नाम
दिकदिकानि – विखत
दुना – पिटना
देदार – बहुत/एन्तम्
दवड़ – ढाई गुणा
दड़ि – हाथ पका राशि
दिरखा – मिहि का दिवार पर समान रखने का स्थान
दनदना – ताड़ाताड़ि/जल्दी
दरद – ममता
दोतन – मुख धोने का काठी

" ध "

धरन – सुखा/वृष्टिहीन
धला – सफेद
धसका – धसजाना
धाधा – बाड़ा बाड़ि करना
धोधाड़ा – ढुँढना / खोजना
धासा – आगुन से दाग
धीरा – भय दिखाना
धुना – अधिक मारना
धजा – डगा / आग
धेना – प्रसव करना
'ध – गाछ विशेष
धुलट –
धुरा/धुला – माटि/बालु
धकल – धक्का देना
धमसा – बाह्य यंत्र
धमका – अटक करना/भय देखाना
धतुरा – नशीला फल
धुँध – झोप
धुकि–धुकि –
धुला पड़ा – इस अंचल का मंत्रशक्ति / झाड़ फुँक
धनि – सम्बोधन शब्द
धुका – हावआढेना / धान धुँका
धोंगड़ा – बाँधना पर्व में गानकर धार–धार में जाना
धुमड़ा – मोटासटा
धादकी – फुल विशेष ।

" न "

निरन – ग्रीष्म काल
नितई – दैनिक
नितिनिति – दिन–दिन
निकाश – विश्वास
निशान – चिन्ह
निदुड़ि – नीतु होकर
नेगुड – कंज पुँछ
नांगटि – गाली विशेष
नारता – बच्चा प्रसव का 6 दिन का क्रिया
नामाल – ढाल जगह
नछछार – अकर्मनय
नुनि/नुनु – छोटा बच्चा का संबंध पद
नेउता – निमंत्रण
नुन – लवण
निस्टा – सत्य
नेहाल – कृतार्थ
नाचनि – बाई / नतेजी
नेगुड़ा – पशु विक्रिका (केट)
नाहुआ – लोकनृत्य इस आँचल का
निउड़ा – भिगे कपड़ा से निचोड़ना
नुड़ा – जल ढालना
नजर – देखना
निबाहुड़ – धुरे
निखरा – बाछना / चुनना

" प "

पइना – छड़ी/लाठी
पदधन – पहनें का कपड़ा
पागार – मिहिका धेरना
पघला – गल जाना
पछड़ा – धान पछड़ा
पङखा – धुर्त
पत्रुक – विश्वास
पेंइतरा – चालाकी
पलई – मदली धरने का विशेष औजार
पुलका – डरपोक/भीतू
पखरखुला – रात्रि में पशु को चराना
पाखड़ – पत्थर
पखलां – घुलाना

" प "

पाखुड़ – पाखी छाना
पागा – काँटा–छाँटा
पाजा – धार तेज कराना
पाकड़ा – धाधु
पारा – लिसन
पालई – खड़ का गाढ़ा
पसरा – भुल जाना
पिठा – चाल गुड़िया निर्मित वस्तु
पिंड – पिण्ड
पिंड़हा – लकड़ी का आसन
पिंढ़ाड – घरबाड़ि का पीछे
पिढका – ढोड़ना
पिया – गाय दुहा
पुँग – आँकुर
पुँगि – पात का चोङ
फुचका – फसका
पुथान – खाअि का ढान देना
पुढका – पाखा उड़ाना
पुवाल – बिचाली
पुरूष – स्वामी
पुहा – छोटा चारागाह
पेछा – कला करना
पानहा – गाय का दुध स्त्राव का समय
पेंपचि – ताल पत्ता का बाँसुरी
पुनना – प्राचीन
पाटि – बाँध घाट का बड़ा पत्थर
पाँचर – (शक्त करने का लकड़ी टुकड़ा) हालटाई पाँचर हिहिन
पिरान – कुरता
पाँचाटि – विशेष रीति (धान रोपने का शुभारम्भ)
पाकट – शकत
पुरतरी – धर्म पूजा का विशेष प्रसाद हलुदमाखा टोहम का

" फ "

फड़का – अंड़ा से बच्चा
फादा – खाली स्थान
फानड़ – फेंकना
फदर फंङ – सम्पूर्ण खोला
फाँचट – नष्ट
फड़ा – फाजिल
फारकती – विहित व्यवस्था
फिचि – छोटा
फुकरल – चुल्हा फुँकने का बाँस का नली
फुचफाच – एदिक–उदिक
फुसला – भुला
फेटान – वकना बाछुर
फेड़ – पेड़ का मुल
फोंकरा – कॉपा
फॉड़ – विपद
फाल – लोहा का विशेष यन्त्र हल के लिए
फजर – विहान
फरिछ – परिस्कार
फालना – अमुक
फरह – फायदा/लाभ
फुनगि – आग का कण
फेंड़की – आगुड़ / टाट

" ब "

बक - बोटा
बाऊँड़ी - एक विशेष प्रकार का पर्व
बर्डरि - वि:शत्रु
बाजड़ा - धक्का
बेटिन - बेटी
बतर - सुविधा
बधा - चुपकरा
बयार काड़ा - माताल काड़ा
बलका - फुटन्त

" ब "

बड़रोग - कुष्ठ
बन्देज - श्रृंखला
बाँउड़ा - भुल जाना
बाउला - मतिभ्रम
बाखान - गाली देना
बाघुत - कुदरा देवता
बाँझा - सन्तान हीन
बाँटा - पीसा
बाड़हन - झाँटा
बालसा - पित्तरोग
बासा - गन्ध
विकल - व्याकुल
विखला - धोया
विद्दाप - फुटानी
छिन्न - छिन्न भिन्न
विद - सरू छिद्र
विथान - चरदिक छड़ानो
बुच - गाछ विशेष
बुगि - फाँकि देना
बुचा - टुटा
बुटि - आग रखने का वस्तु
बुला - घुमना
बेट - विन पथसार खदुनी
वेताक - गोल माल
बेघा - जारज सन्तान
वेलग - पृथक करना

" ब "

वेसाती - तरकारी
वेसार - सरसा
बोंगा - आदिम देवता
वेसाम - प्रातः समय
बना - तेरीकरा
बेना - घास जातीय अशोच के समय
वेना मुल में जल दान ।
बाईद - वाईद धान
बाईहान -
बाथान - गते में माढि देना
बेजारा - शरीर असंतुलन
कबजुरी - विडडल
विहिन - बीज
बुना - बपन करना

" भ "

भईड़ – गोड़ाली
भकभँड – बेककुप
भुख – खिदा
भगा – कपड़ा पहना आदि काल
भगता – चड़क पूजा व्रती
भथड़ – धार निहि
भसका – टुट जाना
भॉउरी – ग्रामे–ग्रामे फेरी करना
भाका – धुम धीरे चमक
भाया – घान सिद्ध करना
भड़ति – धान/चाल विकाकिना
भावश – बेसन तेरी तेल भाजा
भाला – देखना
भिड़का – भय से भागना
भिनसरा – भोर
भुरका – छिद्र
भुलभुड़ि – घर दिवाल पर छिद्र
भुँस कुड़ा – आलस
भेंखु – बोंटा
भेवी – भान करा
भेली – बीज लगाने का लाईन
भेलकी – भेंगचा
भेंसा – व्यंग करना
भेला – काम पुरा
भगुआ – काछा
भेक – केवला
भेवा – चित कार
भातार – स्वामी
भेंसुर – स्वामी का बड़ा भाई
भुसि – अनाज का ऊपरी अंश
भने – रचना
भरभरी – धान जातीय
भेगराज – औषधी गाछ
भजना – मिश्रित करना
भरता – पूड़िये चोखा

" म "

मगरा – मिट्टी का पाइप
मचका – शरीर का अंश हट
जाना
मड़कचा – घर का छादन का
केन्द्र
मागना – उधार लेना
माचुली – दड़ी का तेरी बेचने
वाला विशेष
मुड़ा – अन्तिम/कुल्हीर मुड़ा
मिन्तुक – किन्तु
मेहना – अफसोस
मिछा – मिथया
महक – गन्ध
मादल – वाद्य विशेष
मादा – स्त्री
मशान – शवदाह स्थल
मागुर – मझली विशेष

" म "

माहुर – ज्ञानी व्यक्ति
मायरी – शपथ / किरया
मुलुक – झाड़खण्ड मुलुक
मुनिस – मजदूर
मिआँ – बेटी गिदर के सम्बोधपद
मुहाँ – उपस्थित करना
मिता – फूल / बन्धु

" र "

रका – टाटका
रकत – रक्त / खुन
रगड़ा – रगड़ / घर्षण
रचरचा – मचमच
रठ – गड़िमसि
रड़ा –
रसा –
रहम – रक्षा
रागे–रागे – ताड़ा ताडी
राड़ि – विधवा
रिझ – आनंद
रूगड़ि – मिहि का प्रकार
रूना – सुखना
रूपुं – टिया पक्षी
राता – अनाज का बीमारी
रला – घर का विशेष लकड़ी
रूसा – (अभिमान) कुड़मि जाति का विवाह के समय विशेष रीति जामाई अभिमान करें दानी पूरन करना पड़ता हैं ।
रहिन – (रोहिनी नक्षत्र) 13 जेष्ठ बीजवपन का शुरआत (झारखंड में)
रिचिका – कम परिमाण
रैदा – बढई का यंत्र विशेष

" ल "

लछना – छलना
लटुखंड़ा – उभय पक्षी
लड़वड़ा – कमजोर
लदका – झुला
लेगे / लागि – केकर लागी
ललका – लोभ देखा
लवज – रसिक
लहरा – कौतुक
लारि – असमर्थ
लाभेक – योग्य
लिपा – लेपन करना
लियोई – झगड़ा
लिघा – बैलगाड़ी का एक्सेल
लुगा – साड़ी
लुका – छिपजाना
लगन विवाह में विशेष रीति
लाठ – कुएँ से पानी निकालने के विशेष यंत्र

" स "

सड़क – रास्ता
सतर – शतर्क
सराक – जैनधर्मालम्बी सम्प्रदाय विशेष
सुडर – एकताल
सनला – मुनगा पेड़सफरा – लंका / मिर्च
साँता – ज्वालतन करना
सापटा – समस्त
सिझा – सिकरा
सिपत – लक्ष
सिराँइ – शेष
सुगुम – - चुप करना

" स "

सोयाँग सामर्थ
सुआद – स्वाद
सुसका – धीर–धीर रोना
सँखड़ी – जुठा
सईर – समतल
सुप ~ कुला
सुरका – हिचकी
सेखि – तेजी
सेरहा – एक पौआ
सबधानि – हल का खिलिन
सुटका – मेचेली रोग
सजनी – सखी
सरा – फरक हवआ
सहा – साकृयकरा
साँकट – **कम** जगह
सामलाहा – आचत्व करना
सँथा – **स्वामी**
साँडार – झोड़ा बँधा
सकइेल – झोड़ा बँधा
साना – **मिलाना**
सारई – शाल
संगा – एक साथ
सुता –सुता/निद्रा
संथल – भिजा जगह
साँझ – विकाल
सलि – दस सेट

" ह "

हदका – आग का जलना
हक – अधिकार
हापा – छोटा तालाब
हड़बड़ – जल्दीबाजी करना
हेंचका – खिंचना
हदहदाई – अत्यधिक वेग

" ह "

हदवहा – बाचाल
हलुमुड़ा – विकट चेहरा
हेलफेल – विस्तृत जगह
हाईटाटका – निराश
हादसा – विषन्नभाव
हावड़ा – शेष पर्याय
हाँसा – सफेद
हाँसुआ – हँसुआ
हिवड़ा – नजदीक
हिला – डोलना
हिंसका – अभ्यास
हेंसरा – हाँफनी
हँकरा – गर्जन करना
हुचुक – उत्तेजित
हुजरा – मोकाबिला
हुडका – लकड़ी का अर्गल
हुड़कुचा – जोर से ठेलना
हड़मुठ – विवेकहीन
हाँडहा – बड़ा घड़ा
हाँड़का – बाँस का बक्सा
हेंट गड़ान – ऊँच नीच स्थान
हुँड़ार – विशेष जानवर
हरगिज – कभी नहीं
हेंटा – गिराना
हेजाक वाति – गैसबत्ती
हेंटमुड़ा – सिर नीचे
हेलक देऊ (हितोर)
हेंसफेंस – जोर से हाँफना
होईड़ – थोक करना
हड – बेपरवा
हेलसा/हालसा - भय दिखाना

....

कुड़मालि के उल्टा शब्द

" क "

कालहा — उरूम
कड़कठ — सुरूखुरू
किना — बिका
कसनो — अवगास
कसे — दुचेक
कसुर — बेकसुर

" ख "

खरह — मालह
खाँडा — गटा
थक — एकेड़ा
खिल — चसत
खिदड़ — सहल
खडरा — परघ
खँट — दाँगा
खेयाल — भुला

" ग "

गुड़िया — तिता
तेजी — गदा
गाहुल — निझुम
गाजाड़ — टिकर
गोला — मुनिष
गिला — डाँट

" घ "

घुड़ा — उधरा
घटा — उभरा
घुराट — सझु
घिसटा — परछ
घलटा — दौड़ा
घाघु — बका

" च "

चडिट — गड़ान
चिनहाप — निचिनहाप
चखअ — भथड़
चढ़हा — नामहा
चज — हेला
चहुल — निचाल
चड़का — काबरा
चिंमड़ — ठसा
चलन — अचलन
चाँडे — विलम
छाँटा — निछाँटा
छंड़ा — बुढ़ाह
छितर — समटा
छुला — निछुला

" ज "

जड़ — विजड़
जल — थल
जात — वेजात
जिगिड़ — सुरूखुरू
जुइत — बेजुइत
जितकार — पाहुड़
जरप — हेंदरा

" झ "

झाइल — ठुरका
झईड़ — धरण
झँटअ — पलम

" ट "

टुअर — माहुर
टेढ़ा — सझा
टान — झोल
टिकर — घास

" ठ "

ठसा — चिमड़
ठिक — बेटिक
ठनका — सँथल
ठउका — साँगि
ठाँऊ — फरक

" ड "

डाँट — लुरूपुतु
डाँसा — काच
डागर — छुटु
डहर — बेडहर
डिगर — सरम
ढ़ेला — चुर
तागड़ा — लिड़िबिड़ि
तातल — बासि
ताहुत — बेजार
थाना — नुमा
थाही — अथाही
थेरपो — ऊँचा
थल — जल
थिराई — जल्दी
थुभड़ा — बिहाइला
थसह — मसड़
थुकुम — चालु
दडह — लिड़बिड़
दया — निठुर
दाँवआ — आवट
दलदल — ठन–ठन
दगला — सचा
दसर — पाहिल
दसान — तेल मापने का इकाई
दाईन — आपन समय/ बड बदुक
ढाईना घारे घारे

कुड़मालि के उल्टा शब्द

"द"

दुलार – आदर/स्नेह
द – जलाशय / कृद
दरपड़ा – कमजोर
दुलका – कम्पन्न
दाईना – कंजुस
धूप – छाँहा
धवति – उआस
धार – उधार
धरण – झईड़
नाफा – घटा
निरा – फरा
नेइहर – ससुराल
पुरह – मेहि
पिंदाड़ – आँगीना
पूँजि – निपूँजि
पसन्द – निपसंद
पूचका – सूजुड़ा
पाकंतो – केचिंडा
पाकल – काँचा

फेइल – साँकट
फाराक – लजिक
फरा – निरा
फजर – साँझ
फरकझंग – खुलहा
बाइग – बेबाइग
बिका – किना
बिलात् – हावलात्
बाँडचु – झापर
बतर – बेबतर
बासाम बेला – आड़बेला
बका – सियान
भाला – नुभा
भरम – बेभरम
भाभना – निभाभ्ना
भस्का – गुछाअ
भरा – खाली

भिनु – संग
भितर – बाहिर
मिछा – निष्टा

मुलुक – परदेश
मकत – किमत
मान – बेमान
माहुर – टुअर
मालुम – निमालुम

अकबक – व्याकुल
अगड–बगड़ – उलट पलट
अछा – मुर्ख
अट – समाप्त करना/ठेका देना
अघाई – परितृप्त खना
अड़ – शुरू/आरम्भ
अड़कंक – निर्बोध/वोकाटे
अहड़े–बहड़े – रास्ता छोड़कर
अदा – भींगा
अलहड़ – बुद्धिहीन
अपसट – असुविधा
असठा – सहन नहीं करना
असार – चौड़ा
आड़वेला – विकान वेला/संध्यावेला
आँढर – एक गुँआ
आड़ा – पाता/घुघियाड़ा
आड़हा – काम करने बोलना
आँतर – हल जोतने की विधि
आदाँर – दाँत निकलने का पूर्व अवस्था
अधन – भात उबलाने का पानी
आनखाई – अनर्थक
आबगा – खांटी
आवट – अनभिज्ञ
आंगरा – जलंत आग का टुकड़ा
आईरसा – चावल गुंड़ी का पीठा विशेष
आहठा – धमकी देना
आलोनी – गोरू गाडि का खिलान

आँढ़रा – कांड झाहीन
आड़कानि – न समझने का भाग
आजिसाअ – सास की सास
आजाबाप – बापेक बाप
आटकाल – अनुमान
आगुड़ – दरवाजा
आजड़ा – खाली करना
आँचका – अचानक
आखड़ा – नृत्यस्थल

इरा–इरि – रेसा–रेसी
इदिन – आजकाल
इसारा – संकेत
इजई–पिंजई – कालीपूजा की विशेष प्रकार की बत्ती
इँचरा – बाछना
इँड़का – दौड़ना
इँचली – मछली विशेष
इँचा काना – ताल काना
उकान – तालाब का जल प्रणाली
उखड़ा – जड़ से उखड़ जाना
उगरा –उल्टी करना
उचरा – शुरू करना
उदमा – फालतु
उजाई – सीधा
उझुल–पुझुल – आलु–थालु
उभका – बच्चों का तैरना
उला – गरू बाड़ि चक्का बेयरिंग
उझला – डालना
उल्फा – फांदना
उसट – बंजर
उसुर–पुसुर – उस–खुस करना
उमता – छटपटाना

* * * *

कुड़माली मुहावरा / कहावत

1 काना खड़हा एक मुड़ा जियाढा
2 मुचिक घारे फुचिक झोर
3. ढंग न चलन चन्दर गतर
4 कन कथा न कोकाँल बेथा
5 बापेक काले चास नाई पोंगा झुड़ेवास
6 सनला गाछे टांगाय मर
7 परेक भरसाय दुर्गा पूजा
8. चार आनाक खुखड़ी छोह आनाक छुयानी
9 पोरेक रागे भुएं भात
10. गाछे इंदंर नेजे चिन्हाय
11. माँ रहले मोसीक खातिर काँदे ।
12. रहिस विटि संहे सभेजात वँहे
13. कपाले नाई घी ठक ठकाले हतेअ कीं
14. चेकाक डरे पाराई तेतँर तरे वासा
15. गाँव बड़अ तकर ऊपर कुल्ही
16. गाँवेक केनिया सिघँन नाखी
17. रसाय भेड़ि पकाय भरे
18. टिरालकेक गाँठे गाँठे पाप
19. चाल न चुल्हा माया न छोआ
20. भात देवेक भातार निहि किल मारेक गुसाई
21. नाम गहगहि पेंचा राजा
22. खापड़ा घारेक चालि ससुर घारेक सालि
23. आय गेलेक बाँदना बेटि छोवाक काँदना
24. केकलासेक दौड़ बादाड़ गड़ा
25. उलिक संगे धुलि जाय भुला भुलि
26. मरदेक मरदानि मायाक कहुहानि
27. बड़ देखि आड़ाये छट देखि ढाड़ाय
28. खुँटाक बोले कड़रू नाचे
29. नाढ़ा नाचे खोचार भरो
30. रांड़िक बेटा गोबंदा
31 आँधारेक कुकुर बासाते भुके
32. लिलज नाचे भेठर गाय लाज
कुल शील खाऐ देखे जाए
33. एका पुता आगुन मुता
34. जाकर शील ताकर लड़हा
अकरे भौंगई दाँतेक गोड़ा
35. बसे देले सुते खोजई
36. ढ़ेर खाठे महुल सीझे बहुत
कथाय कुडमि बुझे
37. बापेक थोड़ा थोड़ी बेटाक
चाप दाढ़ी
38. माया मरद राजि किना
करतई गाँवेक काजि
39. खन्जना का चाल शिखले
चाटिक चाल हाराई
40. ढेंकि कुटा मरद घानि घुरा
बरद
41. लारि न पारि मुँहे काहे हारि
42. आपन सिम्माय कुकुर राजा
43. निर्धानाक धन हेले दिने देखई
तारा
44. भेड़रा गाजाड़े विराल बाध
45. गरिबेक राग पेटें पचे
46. नाड़ाई खजई इदु पश्व
47. दिते नतुथे केवल तथि कुटते
48. परेक शिरे खई आइड़े चड़े हाथे
49. पर खाउका नढाक बाप
50. जाड़ेक कानि बरसाक छानि
51. अलहकक भकभंड
52. निजेक खाईके कतेक
शिखाउभ
53 शिखले काहा न ठकले जाहो

कुड़माली मुहावरा / कहावत

54. खाब निहित हेंटि देबअ
55. उरा छुरा मधुपुरा
56. छँड़ा छिटकावास ऐड़िआ गरूक चास
57. हाथीक पेछुई कुकुर भुका
58. सुखे विराल गाछे चापे
59. विहानेक कुटुम आईल गले सांझेक कुटुम रहि गेइल
60. गुँदुर गुेसा मुनसा–रिमिझिमि बरसा
61. आधाल बंखि पोंटि तीता
62. छुटुमुटु लेक डागर चौंना
63. जनंजामाई भागना तिननाई आपना
64. चाकरीक भात खपरीई
65. पूरना चारेक भात बाइढे
66. वतर पावले चुटिआई ढोलकाटे
67. लियाई निहि पावई तघंघि लेईके दोड़ई
68. उपरे धोघी पेछुई सियाड़ा
69. जाव--जावगड़ेक धुरा लेई जाव
70. हुचकाई के पूचकि देवा
71. साउढ़ा उजु पासे पासे गाठ
72. हुचुके बाहर भेल
73. अनाड़िक धान भाना
74. निभातारी भातार पावलेबासे वापेक पारा
75. ना पारकेक नाती भातार
76. गाँववेक मोधा पर गाँवेक मधु
77. मड़ाक ऊपर कद हड़रा
78. हाथेक आलसे मोंच बाँका
79. विहा पार हइके छामड़ाई नाच
80. विहा घारे माया राजा
81. विहाक दिनेक कोहड़ा रोपा
82. पाग बांधते परव फुराई
83. पिरीते मजिलेमन किवाहाड़ि किवाड़म
84. गंठे न भुनाई पाधाय न बाँधाई
85. चाषा चिन्हाई आड़े जालहा चिन्हाई पाड़े
86. बरेक भाई लरार्गुजा
87. कन विहाके दुड़ आलता दभड़
88. राँधल भाते आँधार काहे
89. दुधाल गायेक लाथ मिठा
90. संगा भेड़ि पकाय मरय
91. पाप काकरो बाप नाय
92. दादा ऐसन कि दिदियो पाउबे
93. हुचकाइ के देले सांघा दादाक ले भोजि ढ़ांगा
94. टिटोए काँहु सरग टेकाय
95. बाँस बने डम काना
96. घारेक खाइके बनेक महिस रगदा
97. गाँव जावा आर गाछ चापा समान
98. चालाकेक गु तिन ठिन
99. जाइत कुड़मि अरजे चिनि खाय पानि
100. गिदर खेलाई दिन गेलि आज कहय डाइन
101. सात कोसे बानि चोदहो कोसे पानि
102. सुमेक धन शैताने खाय बाचे से आदालते जाय
103. नदि धारिक चास मिछाई करा आस
104. माछित्र खोजय घाव आर मानुंसे खाजय दाव
105. सरावनेक गाछि आर मागेघ बाछि

एक टुम विनति

माई बापेक गडेक धुरा लेइके विनति करअ हे जे जाहाँ जेसन आइहा आपन मात्र भाखि कुड़मालि कहा-सिखा पढ़ा।

छुटुक बेरा जुड़ि पाडि़ महुआ बिछे जाइतेलिए टुपाई-टुपाई महुआ बिछिके कुधि करेतिलिअ झाड़खण्डेक भाषा सागरले बिर - वित्थान छितरल कुड़मालि शब्द गिलिके समटेएक चेष्टा करलिए आगुवाटे एकर संज्या- क्रिया- विशेषण आर इंगलिश- साँवतालि भाषाई वर्णन करेक विचार आहेक ---------------

मर स्कुलेक प्रधान शिक्षक - नन्दलाल महतो - साथी डॉ० राकेश कुमार महतो, छात्र- सुरेश महतो, महावीर महतो, पत्नी - करूणामयी प्रेरना, **ममता प्रेसेक महेन्द्र महतो** छापेक बीड़ा उचाईक मके बहुत मदद करलाहात। आशा राखिअ माध्यमिक छात्र - छात्रा कुड़मालि शब्द जानेक आकांक्षा पुरन हेतेक।

-पी० पी० केसरिआर

लेखक का अन्य कृतियाँ

1. " बिहान " (कुड़माली कविता)
2. " दिवाकर " (कुड़माली काव्य)
3. कुड़माली के कवि एवं काव्य (अप्रकाशित)
4. कुड़मालि चारी (अप्रकाशित)
5. कुड़माली मागर (अप्रकाशित)
6. कुड़मी कुलेक कुलअ तिलक